an>

Title: Regarding wages to Jalsahiya.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : सभापति महोदय, अभी यहां माननीय श्रम मंत्री जी बैठे हुए हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि झारखण्ड प्रदेश में अभी लगभग 25,000 जलसहिया काम कर रहे हैं। इनको दैनिक मज़दूरी भी नहीं मिल रही है, न ही इनका कोई ड्रेस कोड है और न ही इन्हें कोई छुट्टी मिलती है और न ही इनके लिए कोई मेडिकल एलाउंस है। सरकार के द्वारा इनसे सारे काम लिए जाते हैं। बहुत-सी ऐसी भी महिलाएं और पुरुÂष हैं, जिनका उम्र समाप्त हो गया है। अब वे सरकारी नौकरी में भी नहीं जा सकते।

अतः मेरा माननीय मंत्री जी से निवेदन होगा कि इन्हें कम से कम दैनिक मज़दूरी तो मिले, ताकि इनका भरण-पोÂषण हो सके और जलसहिया मन लगाकर अपना काम कर सकें।

आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON : Shri Bhairon Prasad Mishra and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Ravindra Kumar Pandey.

The House stands adjourned to meet again on Tuesday, the 21st March, 2017 at 11.00 a.m.

18.01 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, March 21, 2017/Phalguna 30, 1938 (Saka).

---

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*

*